M.A. 1st Semester Examination, 2012

HINDI

PAPER – HIN-104

Full Marks : 40

Time : 2 hours

Answer **all** questions

The figures in the right hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12 × 2

(क) 'साकेत' के महाकाव्यत्व पर विचार कीजिए ।

(ख) श्रद्धा के सौन्दर्य का उद्घाटन कीजिए ।

(ग) 'ग्राम्या' कविता के काव्य–सौन्दर्य का विवेचन कीजिए ।

(*Turn Over*)

(*घ*) 'उर्वशी' काव्य के तीसरे सर्ग के आधार पर उर्वशी की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(*ङ*) पठित कविताओं के आधार पर महादेवी वर्मा के विरह-वर्णन के स्वरूप पर प्रकाश डालिए ।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं *दो* की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : 8×2

(*क*) इसे त्याग का रंग न दीजो,
अपने श्रम का फल है लीजो,
जयजयकार कुसुम का कीजो,
जहाँ सुधा-सी चक्खी ।
अरी, गूँजती मधुमक्खी !

(*ख*) जब तक यह पावक शेष, तभी तक भाव द्वन्द्व के जगते हैं,
बारी-बारी से मही, स्वर्ग, दोनों ही सुन्दर लगते हैं ।
मरघट की आती याद तभी तक फुल्ल प्रसूनों के वन में,
सूने श्मशान को देख चमेली-जुही फूलती हैं मन में ।

(*ग*) माँ की कुल शिक्षा मैंने दी,
पुष्प-सेज तेरी स्वयं रची,
सोचा मन में, "वह शकुन्तला,
पर पाठ अन्य यह अन्य कला ।"

(घ) हम अन्य न और कुटुंबी हम केवल एक हमीं हैं,
तुम सब मेरे अवयव हो जिसमें कुछ नहीं कमी है ।
शापित न यहाँ है कोई तापित पापी न यहाँ है,
जीवन-वसुधा समतल है समरस है जो कि जहाँ है ।